

## छठा हृदि महासागर सम्मेलन

### प्रलमिस के लयि:

हृदि महासागर कषेत्त्र, दकषणि-पूरव एशयिई देशों का संघ (आसयिान), बहु-कषेत्तरीय तकनीकी और आर्थकि सहयुग हेतु बंगाल की ख़ाडी पहल (BIMSTEC), जलवायु परविरतन, समुद्री परदूषण

### मेन्स के लयि:

हृदि महासागर कषेत्त्र से संबंघति प्रमुख चुनौतयिाँ

## चर्चा में क्युँ?

छठे हृदि महासागर सम्मेलन, जो कठिाका, बांग्लादेश में आयुजति कयिा गया, के दुरान हृदि महासागर कषेत्त्र में कनेकटविति में सुधार एवं वसितार प्रमुख केंद्र बढि रहा है ।

- सम्मेलन में "शांति समुद्धि और लचिले भवषिय हेतु साझेदारी" थीम के साथ कषेत्त्र में शांति एवं स्थरिता बनाए रखते हुए आर्थकि वकिस को बढावा देने के तरीकौं पर चर्चा करने के लयि 25 से अधकि देशों के प्रतनिधियिं ने भाग लयिा ।

## प्रमुख बढि

- कनेकटविति:** भारत हृदि महासागर कषेत्त्र में एक महत्त्वपूरण अभकिरत्ता होने के नाते बेहतर कनेकटविति हासलि करने में वभिनिन चुनौतयिं का सामना करता है ।
  - दकषणि-पूरव एशयिा के साथ भूमि संपर्क स्थापति करना भारत के लयि बढी कठनिाड्यौं हैं । चुनौतयिं के बावजूद बाधाओं को दूर करने एवं कनेकटविति में सुधार हेतु सामूहकि प्रयुसां का आहवान कयिा गया है ।
    - भारतीय वदिश मंत्री ने दकषणि-पूरव एशयिाई देशों के संगठन (आसयिान) के साथ एक प्रभावी और कुशल कनेकटविति स्थापति करने के संभावति क्रांतकिारी प्रभाव पर ज़ोर दयिा ।
    - भारत की ख़ाडी और मध्य एशयिा में मलटी-मॉडल कनेकटविति वकिसति करने इच्छा है ।
  - कनेकटविति चुनौतयिं से नपिटने और कषेत्तरीय वकिस को बढावा देने के लयि हृदि- महासागरीय कषेत्त्र के देशों को सहयुग की सराहना करने और दीर्घकालकि परणामों की ओर देखने आवश्यकता है:
    - बहु-कषेत्तरीय तकनीकी और आर्थकि सहयुग के लयि बंगाल की ख़ाडी पहल (बमिस्टेक) जैसे उदाहरण मज़बूत सहयुग और साझा प्रयुसां के महत्त्व को प्रदर्शति करते हैं ।
- कानूनी दायतित्वों और समझौतौं को बनाए रखना:** कानूनी दायतित्वों की अवहेलना करने अथवा लंबे समय से चले आ रहे समझौतौं का उल्लंघन करने से सदस्य देशों के बीच वशिवास और भरोसे में कमी आ सकती है । नरितर प्रगति सुनिश्चति करने के लयि सहयुग का दीर्घकालकि दृष्टकिुण रखना आवश्यक है ।
  - स्थरि अंतर्राष्टरीय वयवस्था की स्थापना के लयि अंतर्राष्टरीय कानून, मानदंडों और नयिमों का पालन महत्त्वपूरण है ।
- धारणीय परयुोजनाएँ और ऋण:** अवयवहार्य परयुोजनाओं द्वारा सृजति अवहनीय ऋण इस कषेत्त्र के देशों के लयि एक चतिा का वषिय है (उदाहरण-श्रीलंका) ।
  - आने वाले समय में जटलिताओं से बचने के लयि पारदर्शी ऋण प्रथाओं को प्रोत्साहति करना और बाज़ार की वास्तवकिताओं पर वचिार करना आवश्यक है ।
- साझा ज़मिमेदारी और वषिय:** हृदि महासागर कषेत्त्र में स्थरिता और समुद्धि सुनिश्चति करने के लयि साझा ज़मिमेदारी और केंद्रति प्रयुसां की आवश्यकता है ।
  - समुद्री सुरकषा सुनिश्चति करना एक सामूहकि ज़मिमेदारी है, वयकतगित प्रभुत्त्व के लयि इससे समझौता नहीं कयिा जाना चाहयि । साथ ही कई वयवहारकि कदम उठाए जाने की भी आवश्यकता है ।
  - इस सम्मेलन में जलवायु कार्रवाई और आतंकवाद वरिधी पहल के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला गया । देशों को अपने सामाजकि संरचना की रकषा करते हुए उग्रवाद और कट्टरवाद से उत्पन्न खतरों से नपिटने के लयि आवश्यक समाधान सुनिश्चति करना चाहयि ।

## हदि महासागर सम्मेलन:

- हदि महासागर सम्मेलन, [क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा और विकास \(सागर\)](#) हेतु क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिये हदि महासागर के देशों का एक प्रमुख परामर्शी मंच है। यह प्रक्रिया वर्ष 2016 में शुरू हुई थी।
- हदि महासागर सम्मेलन का पहला संस्करण वर्ष 2016 में सागापुर में और पाँचवाँ वर्ष 2021 में अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया गया था।

## हदि महासागर क्षेत्र से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ:

- भू राजनीतिक प्रतियोगिता:** हदि महासागर क्षेत्र प्रमुख शक्तियों और क्षेत्रीय अभिनेताओं के बीच भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के लिये एक आकर्षण का केंद्र है। प्रतियोगिता में रणनीतिक हति, प्रभाव और संसाधनों तक पहुँच शामिल है, जिससे तनाव और संघर्ष होते हैं।
  - हदि महासागर भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य-पूर्व तथा अफ्रीका के देशों सहित प्रमुख वैश्विक शक्तियों के बीच एक केंद्रीय स्थिति रखता है।
  - यह क्षेत्र शक्ति प्रक्षेपण और क्षेत्रीय मामलों पर प्रभाव की अनुमति देता है। [होरमुज़ जलडमरूमध्य](#), [बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य](#) और [मलक्का जलडमरूमध्य](#) जैसे प्रमुख चोकपॉइंट्स की उपस्थिति इसके सामरिक महत्त्व को और बढ़ाती है।
- चीन का सैन्यीकरण का कदम:** चीन हदि महासागर में भारत के हितों और स्थिरता के लिये एक चुनौती रहा है।
  - भारत के पड़ोसी चीन से सैन्य और ढाँचागत सहायता प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें [म्याँमार के लिये पनडुब्बियाँ](#), [श्रीलंका के लिये फ्रिगट और जड़ित्वी \(हॉर्न ऑफ अफ्रीका\)](#) में इसका विदेशी सैन्य अड्डा शामिल है।
  - साथ ही [हबनटोटा बंदरगाह \(श्रीलंका\)](#) पर भी चीन का कब्ज़ा है, जो भारत के तटों से कुछ सौ मील की दूरी पर है।
- समुद्री सुरक्षा खतरे:** IOR [समुद्री डकैती](#), तस्करी, [अवैध मछली पकड़ने](#) और आतंकवाद सहित विभिन्न समुद्री सुरक्षा खतरों के प्रति संवेदनशील है।
  - साथ ही हदि महासागर की विशालता इसके समुद्री क्षेत्र की प्रभावी ढंग से नगरानी और सुरक्षा करना चुनौतीपूर्ण बना देती है।
- पर्यावरणीय चुनौतियाँ:** [जलवायु परिवर्तन](#), [समुद्र का बढ़ता स्तर](#), [परवाल भित्तियों का क्षरण](#) और [समुद्री परदूषण](#) IOR में महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियाँ शामिल हैं।
  - ये मुद्दे तटीय समुदायों, समुद्री पारिस्थितिक तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को प्रभावित करते हैं।

## आगे की राह

- नीली अर्थव्यवस्था की पहल :** IOR समुद्री संसाधनों से समृद्ध है और नीली अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने से स्थायी आर्थिक विकास हो सकता है। समुद्री संसाधनों से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने, टिकाऊ मत्स्य पालन का समर्थन करने, [समुद्री जैव प्रौद्योगिकी को विकसित करने](#) और [पर्यावरण प्रयत्न](#) को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।
- समुद्री सुरक्षा सहयोग:** IOR के रणनीतिक महत्त्व को देखते हुए समुद्री सुरक्षा को बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है।
  - सूचना-साझाकरण तंत्र को मज़बूत करने, [समुद्री डोमेन जागरूकता](#) के लिये [प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने](#), [संयुक्त नौसैनिक अभ्यास](#) एवं [गश्त](#) को बढ़ावा देने तथा [समुद्री डकैती](#), [अवैध मत्स्यन](#) और [तस्करी](#) जैसे समुद्री खतरों को कम करने में सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।
- जलवायु परिवर्तन लचीलापन:** IOR जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जिसमें [समुद्र का बढ़ता स्तर](#), [चरम मौसमी घटनाएँ](#) और [समुद्र का अम्लीकरण](#) शामिल है। नवोन्मेषी रणनीतियाँ [जलवायु-लचीले बुनियादी ढाँचे को लागू करने](#), [पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने](#), [स्थायी तटीय प्रबंधन प्रथाओं](#) को बढ़ावा देने तथा [जलवायु परिवर्तन अनुकूलन एवं शमन के लिये क्षेत्रीय सहयोग](#) को सुवर्धन बनाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत नमिनलखिति में से कसिका सदस्य है? (2015)

1. एशिया - प्रशांत महासागरीय आर्थिक सहयोग
2. दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ
3. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3

(c) 1, 2 और 3

(d) भारत इनमें से किसी का भी सदस्य नहीं है

उत्तर: (b)

????? ??????

प्रश्न. भारत-रूस रक्षा सौदों के बदले भारत-अमेरिका रक्षा सौदों का क्या महत्त्व है? हृदि-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (2020)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/6th-indian-ocean-conference>

